

## डॉ. जेफरी हडॉन, बाइबिल पुरातत्व, सत्र 9, द जियोपॉलिटिकल एरिना, भाग 2

© 2204 जेफरी हडॉन और टेड हिल्डेब्रांट

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफरी हडॉन हैं। यह सत्र 9, भू-राजनीतिक क्षेत्र, भाग 2 है।

असीरियन साम्राज्य के बाद, 612 में असीरियन साम्राज्य का पतन, नव-बेबीलोनियन साम्राज्य ने अनिवार्य रूप से इसकी जगह ले ली और सभी पूर्व असीरियन क्षेत्र पर अपना दावा कर दिया, जिससे एक श्रृंखला बन गई। पश्चिम की ओर अभियान और फिर मिस्र में विस्तार। हालाँकि, अशूरियों के विपरीत, नव-बेबीलोनियन साम्राज्य केवल कुछ दशकों तक ही चला।

अब, धर्मग्रंथों में महत्वपूर्ण बेबीलोनियाई नामों का उल्लेख किया गया है। सबसे पहले मेरोडाक-बालादान है। मेरोडाक-बालादान एक बेबीलोनियाई नेता था जो 8वीं शताब्दी में लगातार असीरिया के खिलाफ विद्रोह भड़का रहा था।

उसने हिजकिय्याह के पास दूत भेजे, और हिजकिय्याह ने फिर से उन्हें अपनी क्षमताएँ, शस्त्रागार इत्यादि दिखाए। लेकिन मेरोडाक-बालादान शादल -अरब में गायब हो गया, फिर कभी नहीं सुना गया। बेबीलोन के राजा नाबोपोलास्सर ने असीरिया के खिलाफ सफलतापूर्वक विद्रोह किया और फिर असीरियन क्षेत्र पर आक्रमण करना शुरू कर दिया, पहले आशेर की प्राचीन राजधानी और फिर 612 में नीनवे पर विजय प्राप्त की।

यह उनका बेटा नबूकदनेस्सर, प्रसिद्ध नबूकदनेस्सर था, जिसने 605 में ताज हासिल किया, अशूरियों और मिस्रियों को हराया और लेवंत और मिस्र पर कब्ज़ा कर लिया। इसके बाद, यहूदा से निर्वासन की एक श्रृंखला हुई और अशूरियों द्वारा उपयोग की जाने वाली वही बुनियादी तकनीकें बेबीलोनियों द्वारा अपनाई गईं। अब अंतिम राजा, जब बेबीलोनियों ने यहूदा को हरा दिया और जीत लिया और यरूशलेम को नष्ट कर दिया और अधिकांश यहूदी आबादी को निर्वासित कर दिया गया, बेबीलोन के लोग वापस बेबीलोन में निर्वासित हो गए, नबूकदनेस्सर के बाद कमजोर शासकों की एक श्रृंखला हुई, और इनमें से अंतिम नबोनिडस था, जो फिर से एक था। कमजोर राजा और उसका पुत्र बेबीलोन पर वास्तविक शासक बन गये।

उसका नाम, बेलशस्सर, निश्चित रूप से, वह राजा था जिसने डैनियल को अपने व्यभिचार से भरे भोज में बुलाया था और डैनियल अध्याय 5 में दीवार पर लिखी इबारत पढ़ी थी। और, निस्संदेह, उसी शाम बेबीलोन मादियों और फारसियों के हाथों गिर गया था। हालाँकि, यह उल्लेख किया गया है कि बेबीलोन का उल्लेख पहली बार उत्पत्ति 10.10 में निम्रोद द्वारा स्थापित किया गया है। तो, यह उत्पत्ति के प्रारंभिक भागों में वापस चला जाता है।

अपनी छोटी अवधि के लिए, बेबीलोन में जबरदस्त सुंदरता, वास्तुकला और सभ्यता थी। यह प्रसिद्ध ईशर गेट है, जो प्राचीन विश्व के सात आश्चर्यों में से एक है। कलाकार द्वारा उसका पुनर्निर्माण।

इसका आंशिक रूप से पुनर्निर्माण बर्लिन संग्रहालय में किया गया है, जो हमारे यहाँ है। यह एक औपचारिक द्वार है, जैसा कि आप यहां ऊपरी बाएं कोने पर एक कलाकार की प्रस्तुति से देख सकते हैं। फिर से, दीवारों पर बेबीलोनियन धर्म के शेरों और विभिन्न पौराणिक प्राणियों के साथ चमकती हुई ईंटें चमक उठीं।

बर्लिन में प्रदर्शन पर फिर से खूबसूरती से पुनर्निर्माण किया गया। प्राचीन बेबीलोन के बारे में पुरातत्वविदों के मन में जो प्रश्न थे उनमें से एक यह था कि बेबीलोन का प्रसिद्ध लटकता हुआ उद्यान कहाँ था, जिसे बेबीलोन के राजा ने अपनी पत्नी के लिए बनवाया था, जो समतल टाइग्रिस-फरात घाटी के बजाय पहाड़ी इलाके में रहती थी? इनमें से एक, फिर से, विभिन्न सुझाव हैं। बेबीलोन की खुदाई करने वाले जर्मन पुरातत्वविद् रॉबर्ट कोल्डेवी ने एक जगह का सुझाव दिया।

और 1984 में डीजे वाइसमैन ने यूफ्रेट्स नदी के करीब आउटवर्क का सुझाव दिया था। वास्तव में कोई नहीं जानता। हालाँकि, ब्रिटिश असीरियोलॉजिस्ट स्टेफ़नी डाउले के हालिया काम से पता चलता है कि जो इतिहासकार लटकते बगीचों का उल्लेख करते हैं, वे सभी आज की तारीख में शास्त्रीय हैं।

यूनानी इतिहासकार. उनका मानना है कि उन्होंने इसे गलत समझा और वे जिन उद्यानों के बारे में बात कर रहे हैं वे बेबीलोनियाई नहीं बल्कि असीरियन हैं। शायद इसके स्थान पर नबूकदनेस्सर या अशर्बनिपाल का प्रतिनिधित्व किया गया है।

तो, यह एक खुला प्रश्न है, और यदि बेबीलोन के लटकते बगीचे नीनवे के लटकते बगीचे बन गए तो बहुत से लोग बहुत आँसू बहाएँगे। लेकिन डाउले के अनुसार, संभवतः यह मूल रूप से यही था, और बेबीलोन में कोई वास्तविक लटकते बगीचे नहीं थे। अब ऊपर दाईं ओर का चित्रण एक आर्किमिडीज़ पेंच है, जो वास्तव में पानी को ऊपर की ओर प्रवाहित करने, पानी को उच्च स्तर तक बढ़ाने और फिर उस तरह से बगीचों की सिंचाई करने की क्षमता देता है।

और इसी तरह से इन बगीचों को स्पष्ट रूप से सिंचित किया गया था। हालाँकि, इस उपकरण का आविष्कार बाद में हुआ है, इसलिए हम नहीं जानते कि क्या असीरियन या बेबीलोनियों के पास इस तरह की तकनीक थी या बाद में इसका आविष्कार किया गया था और फिर शायद इसे साहित्य में वापस असीरियन या बेबीलोनियों के पास स्थानांतरित कर दिया गया था। फिर, यह एक कलाकार द्वारा बेबीलोन शहर के दौरे पर नबोनिडस और उसकी रानी का चित्रण है।

और फिर, नीनवे की तरह, अविश्वसनीय रूप से, इन प्राचीन शहरों की भव्यता और दृश्य देखने लायक थे। 539 में बेबीलोन फिर से साइरस महान के अधीन अशूरियों के अधीन हो गया, या क्षमा करें, साइरस महान के अधीन फारसियों के अधीन हो गया। फारसियों ने एक ऐसा साम्राज्य बनाया जो असीरियन या बेबीलोनियन साम्राज्य से भी बड़ा था, जो सिंधु घाटी से लेकर मिस्र, एशिया माइनर और यहां तक कि यूरोप के कुछ हिस्सों तक फैला था।

फिर से, इस्तमुस या बोस्पोरस और डार्डनेल्स के पार उत्तरी ग्रीस में बाल्कन में। तो, एक जबरदस्त साम्राज्य, और यह 333 ईसा पूर्व तक चला, यानी लगभग 200 साल। साइरस महान, जिन्होंने बाबुल पर फिर से विजय प्राप्त की, ने अगले वर्ष एक आदेश दिया जिसमें सभी बंदियों, सभी निर्वासित लोगों को अपने राष्ट्रों या देशों या मूल क्षेत्रों में वापस जाने और पुनर्वास की अनुमति दी गई।

और इसलिए, यहूदियों के समूह, जरुब्बाबेल के तहत पहला समूह और बाद में लहरें, यहूदा वापस चले गए, यरूशलेम वापस चले गए, और अपने जीवन का पुनर्निर्माण करना शुरू कर दिया। हालाँकि, वे संभवतः अल्पसंख्यक थे, वफादार अवशेष जो यहूदा वापस चले गए। अधिकांश यहूदी बेबीलोनियाई संस्कृति में आत्मसात हो गए थे, और फिर, निस्संदेह, आसानी से फ़ारसी संस्कृति में परिवर्तित हो गए।

उनकी बेटियाँ और बेटे वहाँ आराम से थे, और इसलिए वे फारस में ही रहे। यह वे समूह थे जो वापस चले गए जो उस जीवन के लिए तरस रहे थे जो उनके पूर्वज पवित्र भूमि, यहूदा में रहते थे, उन्होंने फिर से यरूशलेम का पुनर्निर्माण किया, मंदिर का पुनर्निर्माण किया, और अपनी मातृभूमि में अपने जीवन का पुनर्निर्माण करना शुरू किया। अब, फ़ारसी साम्राज्य के तहत प्रांतों की वह श्रृंखला स्थापित की गई थी।

यहूद के प्रान्त यहूदा को पुनः प्राचीन साम्राज्य का नाम रखा गया। इसकी देखरेख यहूदी राज्यपालों द्वारा की जाती थी, जिनमें से एक, निस्संदेह, नहेमायाह था। अब, वैश्विक स्तर पर, बाद के फ़ारसी राजाओं ने बार-बार ग्रीस पर आक्रमण करके अपने साम्राज्य का विस्तार करने का असफल प्रयास किया।

लेकिन फिर, उनमें से एक, ज़ेरक्स, जाहिरा तौर पर एस्तेर की पुस्तक का राजा क्षयर्ष है। अधिकांश विद्वानों का मानना है कि ये दोनों समान हैं। फारस और उसके शासक तेजी से भ्रष्ट हो गए और साम्राज्य वास्तव में केंद्र से विघटित हो गया।

और यह केवल सिकंदर और उसकी सेना के कारण ही था जिसने लगातार बड़ी फ़ारसी सेनाओं पर हमला करना और उन्हें हराना जारी रखा, पहले ग्रैनिकस नदी पर एशिया माइनर में, फिर इस्सस और अर्बेला में, और फ़ारसी साम्राज्य बस ढह गया। और एक समय का महान फ़ारसी साम्राज्य जिसने हमें यह कहा था कि बारिश, बर्फ़ या ओलावृष्टि डाक को नहीं रोकेगी इत्यादि, बर्बाद हो गया और नष्ट हो गया। यह फारस की राजधानी पर्सेपोलिस के खंडहर हैं।

वे होंगे, मूल रूप से आप वहां खड़े स्तंभों को देखते हैं। इन्हें लकड़ी के स्तंभों, संभवतः लेबनान के देवदार और अन्य लकड़ी से पूरक किया गया होगा। और सारी अधिरचना लकड़ी की थी।

वह सब सिकंदर द्वारा उस नगर के विनाश से जल गया था। लेकिन आप यहां एक स्मारकीय सीढ़ी देखते हैं जिसमें फ़ारसी रईसों को महल में चढ़ते हुए दिखाया गया है। कलाकार द्वारा महान साइरस के बाबुल पर कब्ज़ा करने के बाद प्रवेश करने और पसर्गादाए में उसकी कब्र का चित्रण।

बसरगादेह एक विस्तृत महल और उद्यान सुविधा थी जिसकी खुदाई डेविड स्टोनेच द्वारा की गई थी और इसे लिखा गया था। आधुनिक ईरान में एक अविश्वसनीय स्थल। फिर से, हमें बस एक स्वाद दिया कि फारस की महिमा क्या थी।

यह साइरस सिलेंडर की प्रतियों में से एक है, फिर से, साइरस का आदेश, जिसने बंदियों को इतने लंबे समय तक कैद में रहने के बाद अपने वतन लौटने की अनुमति दी। पर्सेपोलिस और सुसा की कुछ और तस्वीरें हैं, जो एक सहायक राजधानी थी, और फिर, एस्तेर की पुस्तक की घटनाएं वहां हुईं। अब, फ़ारसी काल के दौरान प्रांतों में, सिक्का व्यापक हो गया।

और पहले यहूदी सिक्के वास्तव में यरूशलेम में ढाले गए थे। और यहाँ यह उनमें से एक है। इसका काफी विस्तार किया गया है।

ये चाँदी के सिक्के लगभग 16 पैसे की कील के सिर के व्यास के थे, बहुत छोटे, एक सिक्के के आधे व्यास के, शुद्ध चाँदी के। और यह पैलियो-हिब्रू अक्षरों में कहता है, येहुद , यहाँ दूसरी तरफ अनाज की एक टहनी के साथ। और आधुनिक समय के इज़राइली शेकेल सिक्के येहुद सिक्के के इन रूपों में से एक की नकल करते हैं।

शिलालेख के अनुसार, यह जेरिको के पास पाया गया था। इससे भी अधिक, येहुद और अन्य प्रकारों का उल्लेख करने वाले भंडारण जार पर फ़ारसी काल की मुहर के निशान पाए गए हैं। इन्हें दो विद्वानों ने एकत्रित कर प्रकाशित किया है।

इसलिए, करें या कृषि उत्पादों के लिए एक आधिकारिक संग्रह प्रणाली थी जिसे यहूदा में फ़ारसी काल के दौरान इन भंडारण जार के माध्यम से विनियमित और उपयोग किया जाता था। और फिर, 331 ईसा पूर्व में सिकंदर महान द्वारा पर्सेपोलिस के अंतिम विनाश का एक कलाकार द्वारा प्रस्तुतीकरण। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफरी हडॉन हैं। यह सत्र 9, द जियोपॉलिटिकल एरेना, भाग 2 है। धन्यवाद।